



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

22 ज्येष्ठ 1936 (श०)

(सं० पटना 498) पटना, वृहस्पतिवार, 12 जून 2014

सहकारिता विभाग

अधिसूचना

13 मई 2014

सं० 5 / सह.फ.बी. -58 / 2014-1958—भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली के पत्रांक 13015 / 02 / 2012-क्रेडिट-II दिनांक 01.11.2013 एवं दिनांक 21.01.2014 से प्राप्त प्रशासनिक स्वीकृति तथा राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के अनुश्रवण हेतु विकास आयुक्त, बिहार, पटना की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय समन्वय समिति की दिनांक 26.03.2014 एवं दिनांक 28.04.2014 की आयोजित बैठक के आलोक में मोडिफायड राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (MNAIS) खरीफ 2014 मौसम में बीमा हेतु राज्य के 7 (सात) जिलों यथा पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर एवं खगड़िया में निम्नरूपेण लागू किया जाता है:—

(क) बीमित फसल — अगहनी धान एवं भदई—मकई।

(ख) योजना अन्तर्गत धान फसल हेतु बीमा इकाई ग्राम पंचायत एवं मकई फसल के लिए बीमा इकाई अंचल निर्धारित की जाती है। इस तरह अगहनी धान फसल हेतु उक्त 7 जिलों के सभी अधिसूचित ग्राम पंचायत बीमा हेतु अधिसूचित की जाती है तथा भदई—मकई फसल हेतु उक्त सात जिलों के सभी अंचल अधिसूचित किये जाते हैं।

(ग) बीमा कंपनियों के बीच जिलों का आवंटन निम्नवत किया जाता है —

क्र.सं.	बीमा कंपनी का नाम	बीमा हेतु आवंटित जिले
1	एग्रीकल्चर इंश्योरेन्स कंपनी ऑफ इंडिया लि., पटना	पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर एवं दरभंगा = 06 जिला
2	चोला मंडलम जी.आई.सी. लि., पटना	खगड़िया = 01 जिला
कुल		07 जिला

2. इस योजना का कार्यान्वयन उक्त बीमा कंपनी द्वारा भारत सरकार से निर्गत मार्ग निर्देशिका में निहित प्रावधानों/शर्तों के अनुसार किया जायेगा। भारत सरकार से प्राप्त मार्गनिर्देश की महत्वपूर्ण शर्तें निम्नलिखित हैं:—

(i) कुल देय प्रीमियम की राशि में कृषकों द्वारा भुगतान की गयी प्रीमियम राशि के पश्चात् अवशेष प्रीमियम सहायक अनुदान के रूप में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 50:50 के अनुपात में वहन किया जायेगा।

(ii) बीमा कंपनी द्वारा क्षतिपूर्ति राशि की गणना बीमित राशि, फसल कटनी के आँकड़े एवं वास्तविक प्रीमियम दर के आधार पर किया जायेगा।

(iii) वित्तीय संस्थाओं यथा- केन्द्रीय सहकारी बैंक/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/वाणिज्यिक बैंक से लिये गये अल्पकालीन कृषि ऋण से संबंधित कृषकों के लिए यह योजना अनिवार्य होगी, जबकि गैर ऋणी कृषक के लिये यह स्वैच्छिक होगा। इस योजना के तहत् ऋणी कृषि से तात्पर्य उन कृषकों से है, जिनका उक्त बैंकों द्वारा साख सीमा दिनांक 30.06.2014 तक स्वीकृत कर दिया गया है।

(iv) (क) ऋणी कृषकों के लिए बीमित राशि कृषक द्वारा किसी फसल विशेष हेतु उसके द्वारा घोषित उत्पादन क्षेत्रफल एवं प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिसूचित बीमित राशि के गुणनफल के बराबर होगा।

(ख) ऋणी कृषक थ्रेसहोल्ड मूल्य के बराबर राशि का बीमा कराने का चुनाव अनुदानित प्रीमियम दर पर कर सकते हैं।

(ग) ऋणी कृषक थ्रेसहोल्ड उपज मूल्य के 150% तक की राशि का बीमा भी करा सकते हैं, किन्तु ऐसी स्थिति में थ्रेसहोल्ड उपज मूल्य और औसत उपज के 150% मूल्य की अंतर राशि के बीमा पर प्रीमियम अनुदान देय नहीं होगा। अर्थात् अंतर की राशि पर वास्तविक प्रीमियम राशि का भुगतान कृषक द्वारा किया जायेगा।

उपर्युक्त सभी स्थितियों में कृषक बीमा कंपनी द्वारा निर्धारित प्रस्ताव पत्र निर्धारित तिथि तक बैंक में जमा करेंगे और बैंक प्रस्ताव पत्र एवं कृषि योग्य जमीन के मालिकाना हक के सुसंगत अभिलेख से संतुष्ट हो लेंगे, अन्यथा अनियमितता पाये जाने पर अनुशासनिक/वैधानिक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे।

(V) (क) गैर ऋणी कृषक थ्रेसहोल्ड उपज मूल्य का बीमा अनुदानित प्रीमियम दर पर करा सकेंगे।

(ख) गैर ऋणी कृषक वास्तविक उपज मूल्य के 150% तक की राशि का बीमा कराने का चुनाव कर सकते हैं, किन्तु थ्रेसहोल्ड उपज मूल्य से अधिक राशि के लिए प्रीमियम अनुदान अनुमान्य नहीं होगा। अर्थात् कृषक पूर्ण प्रीमियम दर पर अंतर राशि का बीमा करा सकेंगे।

(VI) (क) गैर ऋणी कृषक द्वारा अपने क्षेत्र के केन्द्रीय सहकारी बैंक/सिड्यूल्ड वाणिज्यिक बैंक/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत खाता संधारित किया जायेगा। इसी के माध्यम से अनुमान्य क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जायेगा।

(ख) गैर ऋणी कृषक का प्रीमियम स्वीकार करते समय संबंधित बैंक/प्राधिकृत बीमा प्रतिनिधि उनके लिए प्रस्ताव का पूर्णतः भरा हुआ निर्धारित प्रपत्र के साथ कृषि योग्य जमीन का मालिकाना हक के लिए भूस्वामित्व प्रमाण पत्र की अभिप्रामाणित छायाप्रति संलग्न करेंगे जिसमें उनका हिस्सा स्पष्ट रहना चाहिए, अन्यथा किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने या जाँच में अनियमितता पाये जाने पर अनुशासनिक या वैधानिक या दोनों कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे।

3. प्रीमियम दर तथा बीमा स्तर का निर्धारण बीमा कंपनियों द्वारा खरीफ 2014 मौसम के लिए जिला एवं फसलवार प्रीमियम दर, बीमा स्तर आदि का विवरण (अनुलग्नक- I) संलग्न है। वित्तीय भार के मामले में राज्य सरकार का दायित्व मात्र कृषकों के प्रीमियम के बाद शेष प्रीमियम अनुदान में आधी राशि तक सीमित है। सम्पूर्ण क्षतिपूर्ति की राशि बीमा कंपनी द्वारा वहन किया जायेगा।

4. सभी ऋणी एवं गैर ऋणी कृषक दिनांक 30.06.2014 तक क्रमांक 2 (VI) (क) में रेखांकित बैंकों में से किसी एक बैंक के माध्यम से करा सकेंगे। इससे संबंधित घोषणा पत्र, अन्य अभिलेख एवं प्रीमियम की राशि दिनांक 31.07.2014 तक बीमा कंपनियों द्वारा बैंकों से निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जायेगा।

5. बीमित राशि एवं फसल कटनी प्रयोग के आँकड़े के आधार पर क्षतिपूर्ति की राशि की गणना एवं भुगतान के पूर्व क्षेत्रीय पदाधिकारियों यथा संबंधित जिला के जिला सहकारिता पदाधिकारी/प्रबंध निदेशक, केन्द्रीय सहकारी बैंक एवं सहायक निबंधक, स.स. अथवा सरकार द्वारा निदेशित अन्य पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन के पश्चात् भुगतान आदि की प्रक्रिया बीमा कंपनियाँ राज्य सरकार से सहमति प्राप्त कर करेंगी। अर्थ एवं साखियकी निदेशालय, बिहार, पटना को फसल कटनी प्रयोग के परिणाम के साथ फसलवार, इकाईवार/क्षेत्रवार उत्पादन आँकड़ा दर संबंधित बीमा कंपनियों को उपलब्ध कराने हेतु प्राधिकृत किया जाता है। साथ ही अर्थ एवं साखियकी निदेशालय अधिसूचित क्षेत्र का फसलवार कटनी प्रयोग कार्यक्रम की सूचना एक माह पूर्व संबंधित बीमा कंपनियों को भेज देगा ताकि चयनित फसल के कटनी प्रयोग का अवलोकन बीमा कंपनियों द्वारा भी किया जा सके।

6. सभी संबंधित केन्द्रीय सहकारी बैंक/वाणिज्य बैंक/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक फसलवार/इकाईवार (ग्राम पंचायतवार/अंचलवार) बीमा प्रस्ताव पत्र एवं घोषणा पत्र दो प्रतियों में तैयार कर एक प्रति एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लि., ग्रेंड प्लाजा, फ्रेजर रोड, पटना/चोला मंडलम जी.आई.सी. लि., पटना को किसानों से वसूली गयी बीमा प्रीमियम की राशि के बैंक ड्राफ्ट के साथ प्रेषित करेंगे। संबंधित सभी बैंक सामान्य एवं

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति एवं अल्प संख्यक श्रेणी के बीमित कृषकों का अलग-अलग घोषणा पत्र बीमा कंपनी को प्रेषित करेंगे ताकि उक्त कृषकों का वास्तविक आच्छादन एवं भुगतान की गयी क्षतिपूर्ति राशि की स्थिति स्पष्ट हो सके। जो बैंक एतद संबंधी विवरणी उपलब्ध नहीं करायेंगे उनके द्वारा प्रेषित घोषणा पत्र आदि को बीमा कंपनी स्वीकार नहीं करेंगी तथा इसकी सम्पूर्ण जबाबदेही संबंधित बैंक की होगी।

7. फसल कटनी प्रयोग :— धान के लिए पंचायत स्तर पर न्यूनतम चार फसल कटनी प्रयोग तथा मर्कई के लिए अंचल स्तर पर न्यूनतम सोलह फसल कटनी प्रयोग का दायित्व अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना का होगा। फसल कटनी प्रयोग का क्रियान्वयन जेनरल क्रॉप इस्टीमेशन सर्वे के आधार पर किया जाना है, न कि आनावारी/पैसावारी के आधार पर। फसल कटनी प्रयोग के ऑकड़े दिनांक 31.03.2015 तक बीमा कंपनियों को उपलब्ध कराने की जबाबदेही अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय की होगी।
8. योजना के लिए अधिसूचित जिले/अंचल/ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना स्थगित रहेगी। राज्य के पैकर बीमा कार्य नहीं करेंगे।
 - (क) क्षतिपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण शर्तें :— किसी बीमा इकाई की क्षति का कृषि कर्म के स्थिति के अनुसार दावा नहीं स्वीकारना बीमा कंपनी का अधिकार होगा। केवल ऋण स्वीकृति/वितरण प्रस्ताव को जमा करने/घोषणा पत्र देने तथा प्रीमियम भुगतान देने से ही क्षतिपूर्ति दावा नहीं बनेगा, बल्कि कृषि उत्पादन हेतु कृषि कर्म अत्यावश्यक होगा।
 - (ख) बीमा इकाई में कृषि कार्य की जाँच प्राधिकृत एजेन्सी, आधुनिक तकनीकि, जिसमें सेटेलाईट फोटोग्राफी भी सम्मिलित है, फसल बीमा विसंगति तथा वास्तविक क्षेत्रीय स्थिति के आकलन के आधार पर बीमा कंपनी, बीमित राशि के नीचे स्तर पर लाने हेतु सक्षम होगा।
9. फसल बीमा कार्यक्रम में सम्मिलित सभी एजेन्सी ऑपरेशनल मोडेलिटिज को लागू करने के लिए अपने उत्तरदायित्व का पूर्ण निर्वहन करेंगे।
10. बैंक सेवा शुल्क-ऋणी एवं गैर ऋणी कृषकों से प्राप्त प्रीमियम की राशि का 4.0% सेवाशुल्क के रूप में संबंधित बैंकों को मौसम समाप्ति के पश्चात बीमा कंपनी द्वारा भुगतान किया जायेगा।
11. अधिसूचना में अवर्णित टर्म्स एण्ड कण्डिशन, प्रक्रिया आदि योजना एवं ऑपरेशनल मोडेलिटिज के अनुसार अपनाये जायेंगे।
12. योजना को लागू करने में समय-समय पर बीमा कंपनियों द्वारा आवश्यक परिपत्र/पत्र निर्गत किया जा सकेगा।
13. सभी बीमा कंपनी के कार्यों का मूल्यांकन क्षतिपूर्ति एवं प्रीमियम अनुपात, बीमा कंपनी द्वारा समय पर क्षतिपूर्ति भुगतान, किसानों को जागरूक करना, गैर-ऋणी एवं ऋणी किसानों का अनुपात, कॉरपोरेट- सामाजिक उत्तरदायित्व प्रभाव एवं भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आधार पर किया जायेगा। इसके अतिरिक्त बीमा कार्य के कार्यान्वयन के दौरान उत्पन्न आकस्मिक/महत्वपूर्ण/ प्रासंगिक बिन्दुओं को भी इस मूल्यांकन में शामिल किया जा सकता है। कम दावा राशि का होना, गैर ऋणी एवं ऋणी कृषक का अनुपात कम होना, अपूर्ण या कम सूची का होना आदि खराब प्रदर्शन का द्योतक होगा जो भविष्य में निर्णय लेने का महत्वपूर्ण आधार होगा।
14. बीमा कार्य के दौरान अधिक से अधिक कृषकों को जागरूक/शामिल करने हेतु बीमा कंपनियाँ प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए स्थानीय/राज्य स्तर के समाचार पत्रों में समय-समय पर कम से कम पाँच बार विज्ञापन करना, उपयुक्त जगहों पर बड़े-बड़े कम से कम चार होर्डिंग प्रति जिला लगाना, स्थानीय बाजारों में उपयुक्त समय पर पम्पलेट बॉटना, स्थानीय केबुल द्वारा टेलीविजन पर इस बीमा योजना को कम से कम दस दिन प्रसारित करना, AIC द्वारा राज्य स्तर पर टेलीविजन से कम से कम दस दिन प्रसारित करना इत्यादि बीमा कंपनियाँ सुनिश्चित करेंगी। बीमा कंपनियाँ पहला विज्ञापन इस अधिसूचना निर्गत होने के एक सप्ताह के अंदर प्रकाशित करना सुनिश्चित करेंगी।
15. सभी बीमा कंपनियाँ अनिवार्य रूप से दिनांक 31.08.2014 तक बीमित किसानों की सूची विहित प्रपत्र में (Farmer's Profile में) उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगी तथा उसे अपने वेबसाईट पर भी लोड करेंगी। इसके लिए सभी बीमा कंपनियाँ अपना-अपना वेबसाईट तैयार कर लेंगी एवं उसका लिंक विभाग को भी उपलब्ध करायेंगी। इसके अतिरिक्त बीमा कंपनियों को बीमित किसानों की सूची excel में प्रत्येक जिला के लिए एक excel sheet में सॉफ्ट कॉपी तथा बीमित किसानों के फोटो, अन्य प्रमाणक इत्यादि की pdf में सॉफ्ट कॉपी की री.डी. भी विभाग को उपलब्ध कराना होगा। बीमा कंपनियाँ पिछले मौसम के डाटा को बेस-डाटा की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। इस बेस-डाटा में बीमा कंपनियाँ आवश्यक संशोधन कर सकती हैं। परन्तु इसके पूर्व खरीफ 2013 एवं रबी 2013-14 मौसम में बीमा कंपनियों द्वारा जो डाटा On-Line किया गया है उसका Back Up अपने पास संधारित रखना होगा एवं उक्त Back Up की एक सॉफ्ट कॉपी विभाग को भी देनी होगी।
16. बीमा कंपनी द्वारा दावा की गई राज्यांश राशि की विमुक्ति निम्नलिखित शर्तों के साथ की जाएगी:—
 - (i) किसानों के बीमा करने के दो माह के अंदर सभी संबंधित बीमा कंपनी द्वारा संबंधित सभी बीमित किसानों की सूची की प्रविष्टि विहित प्रपत्र में सॉफ्टवेयर के माध्यम से On-Line करना होगा तथा सूची की Soft Copy एवं अग्रसारण पत्र की Hard Copy एवं Soft Copy दोनों विभाग को उपलब्ध कराना होगा।

(ii) बीमा कंपनी द्वारा अपने स्तर से पूरी जाँच कर एवं पूर्ण आश्वस्त होकर ही बीमित किसानों की सूची प्रेषित की जायेगी और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर उन्हें जिम्मेवार माना जायेगा और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी।

(iii) उपरोक्त कंडिका—(i) एवं (ii) के आलोक में बीमित किसानों की सूची एवं उसमें सन्निहित राशि की Soft Copy प्राप्त होने के पश्चात् ही स्वीकृत राशि का चेक बीमा कंपनी को दिया जायेगा।

(iv) लाभान्वित कृषकों अर्थात् जिन्हें क्षतिपूर्ति/बीमा दावा का भुगतान होना है, उन्हें बीमा दावा राशि का भुगतान शिविर आयोजित कर बैंक खातों (चेक) के माध्यम से करने हेतु बीमा कंपनी अपने खर्च पर सभी महत्वपूर्ण राज्यस्तरीय दैनिक समाचार पत्रों में शिविर आयोजन के कार्यक्रम के संबंध में विज्ञापन करना सुनिश्चित करेंगे तथा इसकी सूचना सहकारिता विभाग को भी देंगे ताकि राज्य स्तर से भी इसका औचक निरीक्षण किया जा सके। बीमा कंपनी को प्रीमियम राशि प्राप्त होने अथवा बीमा अवधि समाप्त होने, जो भी बाद में हो के 15 दिनों के अंदर लाभान्वित कृषकों को चेक से भुगतान सुनिश्चित करना होगा। शिविर में जन प्रतिनिधियों के साथ—साथ स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी जो वरीय उप समाहर्ता/अनुमंडल पदाधिकारी से न्यून न हों, की भी उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी बीमा कंपनी की होगी।

(v) संबंधित बीमा कंपनी द्वारा कैम्प लगाकर लाभान्वित कृषकों के बीमा दावा राशि का चेक/खाता अंतरण से भुगतान के 15 दिनों के अन्दर इन कृषकों की फोटोयुक्त सूची एवं भुगतान की गयी राशि की संपूर्ण विवरणी की Soft Copy विभाग को देनी होगी तथा इसकी प्रविष्टि कंपनी द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर से On-Line करनी होगी। बीमा कंपनी इस निर्मित सॉफ्टवेयर में आवश्यकतानुसार सुधार/प्रावधान शीघ्र कर देंगे। इसके लिए बीमा कंपनी को लाभार्थियों का अपने खर्च पर फोटो खींचकर उनकी फोटोयुक्त सूची (भुगतान दावा राशि की सूचना सहित) की सॉफ्टकॉपी के साथ दावा भुगतान का अंदरटेकिंग/शपथ पत्र देना है ताकि यह सूची एवं दावा विवरणी भी विभागीय Website पर रखी जा सके।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद,
सरकार के उप—सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 498-571+20-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>